Drishti IAS

करेंट अफेयर्स उत्तर प्रदेश

मई 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **3**

- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व से भटककर आया तेंदुआ 3
- उत्तर प्रदेश 3
- उत्तर प्रदेश में साइबर पुलिस स्टेशन 4
- IMS-BHU को अल्ट्रासाउंड, इकोकार्डियोग्राम मशीनें मिलीं 4
- स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 को लागू करना 5
- श्री वल्लभाचार्य जयंती 6
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में चित्रकला प्रदर्शनी 7
- यमुना ई-वे से दूर के क्षेत्रों में भवन निर्माण योजनाएँ 7
- वायु प्रदूषण से मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट: IIT कानपुर 8
- प्रयागराज में बनेगी दूसरी SSH लैब 9
- यमुना तट पर अवैध खनन 10
- वैश्विक मानक एवं IPR पर कार्यशाला 11
- मैरून बेरेट सेरेमोनियल परेड 12
- उत्तर प्रदेश उद्योग 4.0 12
- ट्रांसमिशन लाइन विस्तार में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर 13
- प्रदूषण फैलाने पर PMC ने जारी किया नोटिस 14
- उत्तर प्रदेश में छठे चरण का मतदान 15
- उत्तर प्रदेश: कई प्रधानमंत्रियों का जन्मस्थान 16
- उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन में निवेश हेतु तैयार 16
- निकासी/इवैक्यूएशन स्लाइड 17

नोट :

उत्तर प्रदेश

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व से भटककर आया तेंदुआ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में वन अधिकारियों ने एक तेंदुए को पकड़ लिया जो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत ज़िले के पास के पीलीभीत टाइगर रिज़र्व से भटककर अलीगंज गाँव में आ गया था।

मुख्य बिंदु:

- **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व** उत्तर प्रदेश के तीन ज़िलों-पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बहराईच में फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल 700 वर्ग किमी. से अधिक है और यह तेंदुओं व बाघों सहित विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों का निवास स्थल है।
- यह **ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क लैंडस्केप** का हिस्सा है।
- रिज़र्व का **उत्तरी किनारा** भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है जबकि **दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदी द्वारा चिह्नित है।**

तेंदुए

- **वैज्ञानिक नाम:** पेंथेरा पार्डस
- **परिचय:**
  - पैंथेरा जीनस के सबसे छोटे सदस्य के रूप में बाघ, शेर (पैंथेरा लियो), जगुआर, **तेंदुए** तथा हिम तेंदुए आदि शामिल हैं, तेंदुए विभिन्न प्रकार के वातावरणों के लिये अपनी अनुकूलन क्षमता के लिये प्रसिद्ध है।
  - यह एक **रात्रिचर जानवर** है जो जंगली सूअर, हॉग हिरण एवं चीतल सहित अपने क्षेत्र में छोटे शाकाहारी जानवरों को खाता है।
  - तेंदुओं में मेलेनिज़्म एक आम घटना है, जिसमें जानवर की पूरी त्वचा काले रंग की होती है, जिसमें उसके धब्बे भी शामिल हैं।
  - मेलेनिस्टिक तेंदुए को प्राय: ब्लैक पैंथर कहा जाता है और गलती से इसे एक अलग प्रजाति मान लिया जाता है।
- **प्राकृतिक आवास:**
  - यह **उप-सहारा अफ्रीका** में पश्चिमी और मध्य एशिया के छोटे हिस्सों एवं भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण-पूर्व तथा पूर्वी एशिया तक विस्तृत क्षेत्र में पाया जाता है।
  - **भारतीय तेंदुआ (पेंथेरा पार्डस फुस्का)** भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से पाया जाने वाला तेंदुआ है।
- **खतरा:**
  - खाल एवं शरीर के अंगों के अवैध व्यापार के लिये अवैध शिकार।
  - पर्यावास हानि एवं विखंडन
  - मानव-तेंदुआ संघर्ष
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट: **सुभेध**
  - CITES: **परिशिष्ट-I**
  - भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: **अनुसूची-I**

नोट :

उत्तर प्रदेश में साइबर पुलिस स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार **संसदीय चुनाव** के बाद **57 ज़िलों में साइबर पुलिस स्टेशन** स्थापित करेगी, जिसमें प्रत्येक साइबर पुलिस स्टेशन में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिये 25 पद होंगे।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर **साइबर अपराध** की बढ़ती घटनाओं के जवाब में राज्य के सभी 75 ज़िलों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है।
  - जबकि 18 मंडलों में साइबर स्टेशन पहले से ही चालू हैं, शेष 57 ज़िलों को भी लोकसभा चुनाव के बाद ऐसे स्टेशन मिलेंगे।
- इन स्टेशनों को अंतिम रूप **आदर्श आचार संहिता (MCC)** हटने और आम चुनाव के समापन के बाद दिया जाएगा।

आदर्श आचार संहिता (MCC)

- MCC एक **सर्वसम्मत दस्तावेज़** है। राजनीतिक दल स्वयं चुनाव के दौरान अपने आचरण को नियंत्रित रखने और संहिता के भीतर काम करने पर सहमत हुए हैं।
- यह चुनाव आयोग को संविधान के **अनुच्छेद 324 के तहत दिये गए जनादेश को ध्यान में रखते हुए मदद करता** है, जो उसे संसद और राज्य विधानमंडलों के लिये **स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों** की निगरानी एवं संचालन करने की शक्ति देता है।
- **MCC चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की तारीख से परिणाम की घोषणा की तारीख तक चालू रहता** है।
- संहिता **लागू रहने के दौरान सरकार किसी वित्तीय अनुदान की घोषणा** नहीं कर सकती, सड़कों या अन्य सुविधाओं के निर्माण का वादा नहीं कर सकती और न ही सरकारी या सार्वजनिक उपक्रम में कोई तदर्थ नियुक्ति कर सकती है।
- **MCC की प्रवर्तनीयता:**
  - हालाँकि **MCC के पास कोई वैधानिक समर्थन नहीं** है, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा इसके सख्त कार्यान्वयन के कारण पिछले दशक में इसे ताकत मिली है।
  - MCC के कुछ प्रावधानों को **भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951** जैसे अन्य कानूनों में संबंधित प्रावधानों को लागू करके लागू किया जा सकता है।

साइबर अपराध

- साइबर अपराध को ऐसे अपराध के रूप में परिभाषित किया जाता है जहाँ **कंप्यूटर अपराध का माध्यम होता है या अपराध करने के लिये एक उपकरण** के रूप में प्रयोग किया जाता है।
  - **भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची** के अनुसार साइबर अपराध राज्य सूची के अंतर्गत आता है।
- इसमें अवैध या अनधिकृत गतिविधियाँ शामिल हैं जो **विभिन्न प्रकार के अपराध करने के लिये प्रौद्योगिकी का लाभ उठाती** हैं।
- साइबर अपराध में अपराधों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है, यह व्यक्तियों, संगठनों के साथ-साथ सरकारों को भी प्रभावित कर सकता है।

IMS-BHU को अल्ट्रासाउंड, इकोकार्डियोग्राम मशीनें मिलीं

चर्चा में क्यों ?

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान **में जराचिकित्सा विभाग ने** आधिकारिक तौर पर **दो नई पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड** और **इकोकार्डियोग्राम मशीनों का अनावरण किया।**

मुख्य बिंदु:

- विभाग नि:शुल्क इन-हाउस बेडसाइड **इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम और स्पिरोमेट्री सेवाओं** के साथ-साथ बॉडी कंपोज़िशन एनालाइज़र और कमज़ोरी के मूल्यांकन के लिये हैंड ग्रिप डायनेमोमीटर प्रदान करता है, यह सभी सेवाएँ बिना किसी शुल्क के प्रदान की जाती हैं।

नोट :

- IMS-BHU ने हड्डी पर प्रभाव डालने वाले **एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस** की सीमा पर एक प्रस्तुति दी।
  - इस कार्यक्रम का आयोजन एम्स, जम्मू द्वारा **एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन यंग सर्जन फोरम** के हिस्से के रूप में किया गया था।

एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस (AS)

- यह एक प्रकार का **गठिया रोग** है जो **रीढ़ की हड्डी में सूजन उत्पन्न** करके मुख्य रूप से **पीठ को प्रभावित** करता है। इससे पीठ, पसली और गर्दन में अकड़ तथा पीड़ा हो सकती है।
- यह प्राय: उन लोगों में शुरू होता है जो किशोरावस्था या 20 वर्ष के आयुवर्गीय युवाओं में होता है।
- सूजन के अनुक्रिया में, **शरीर रीढ़ की हड्डियों के आस-पास अतिरिक्त कैल्शियम का उत्पादन करने लगता है।** इससे हड्डी के अतिरिक्त खंड बढ़ सकते हैं जिससे पीठ व गर्दन अधिक कठोर हो सकती है।

एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (The Asia Pacific Orthopaedic Association- APOA)

- यह **एशिया प्रशांत क्षेत्र** के आर्थोपेडिक सर्जनों का एक क्षेत्रीय संगठन है।
- इसकी **शुरुआत वर्ष 1962** में वेस्टर्न पैसिफिक ऑर्थोपेडिक न के रूप में हुई। वर्ष 2000 में भारतीय उपमहाद्वीप के देशों को शामिल करने के साथ, एसोसिएशन का नाम बदलकर एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन कर दिया गया।
- इसके **24 सदस्य प्रकरण** हैं और 40 से अधिक देशों से 65,000 से अधिक सदस्य हैं।
- इसका **मुख्य मिशन** इस क्षेत्र में आर्थोपेडिक सर्जनों के बीच शिक्षा, अनुसंधान और फेलोशिप को बढ़ावा देना है।

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 को लागू करना

चर्चा में क्यों ?

स्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का नियमन) अधिनियम, 2014 को 1 मई 2014 को लागू हुए एक दशक बीत चुका है, जो लगभग चार दशकों के कानूनी न्यायशास्त्र और पूरे भारत में स्ट्रीट वेंडर आंदोलनों के अथक प्रयासों के बाद एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु:

- यह अधिनियम स्ट्रीट वेंडरों (SV) के वेंडिंग अधिकारों को वैध बनाने के लिये अधिनियमित किया गया था।
- इसका उद्देश्य **राज्य-स्तरीय नियमों एवं योजनाओं के साथ शहरों में स्ट्रीट वेंडिंग की सुरक्षा** और **विनियमन करना** तथा उप-कानूनों, योजना व विनियमन के माध्यम से शहरी स्थानीय निकायों (ULB) द्वारा कार्यान्वयन करना है।
- इस अधिनियम में विक्रेताओं और **सरकार** के विभिन्न स्तरों की भूमिकाओं तथा ज़िम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से चित्रित किया गया है।
- **यह वेंडिंग ज़ोन में सभी 'मौजूदा' विक्रेताओं को समायोजित करने और** वेंडिंग प्रमाण-पत्र (VC) **जारी करने के लिये प्रतिबद्ध है।**
- अधिनियम **टाउन वेंडिंग समितियों (TVC)** के माध्यम से एक सहभागी शासन संरचना स्थापित करता है।
  - यह अनिवार्य है कि **स्ट्रीट वेंडर प्रतिनिधियों** को **TVC सदस्यों में 40%** होना चाहिये, जिसमें **33% महिला** SV का **उप-प्रतिनिधित्व** होना चाहिये।
  - इन समितियों को **वेंडिंग ज़ोन में सभी मौजूदा विक्रेताओं को शामिल करना सुनिश्चित करने** का कार्य सौंपा गया है।
- इसके अतिरिक्त, अधिनियम शिकायतों और विवादों के समाधान के लिये एक तंत्र की रूपरेखा तैयार करता है, जिसमें एक **सिविल जज या न्यायिक मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक शिकायत निवारण समिति** की स्थापना का प्रस्ताव है।
- इसमें प्रावधान है कि **राज्य/ULB** प्रत्येक पाँच वर्ष में कम-से-कम एक बार **SV की पहचान करने के लिये एक सर्वेक्षण आयोजित करेंगे।**

नोट :

स्ट्रीट वेंडर्स के लिये सरकार की पहल

- **स्वनिधि योजना:**
  - स्वनिधि (SVANidhi) योजना **शहरी क्षेत्रों के 50 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स** को लाभान्वित करने के लिये शुरू की गई थी, जिनमें आस-पास के **शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी शामिल थे।**
  - इसका उद्देश्य 1,200 रुपए प्रतिवर्ष की राशि तक **कैश-बैक प्रोत्साहन के माध्यम से** डिजिटल लेन-देन **को बढ़ावा देना है।**
- **नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया:**
  - **NASVI** एक ऐसा संगठन है जो **देश भर के हज़ारों स्ट्रीट वेंडर्स के आजीविका अधिकारों की सुरक्षा के लिये कार्य कर रहा है।**
  - NASVI की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में **स्ट्रीट वेंडर** संगठनों को एक साथ लाना था ताकि वृहद् स्तर पर बदलावों के लिये सामूहिक रूप से प्रयास किया जा सके।

श्री वल्लभाचार्य जयंती

चर्चा में क्यों ?

4 मई 2024 को मनाई जाने वाली **वल्लभाचार्य जयंती**, प्रसिद्ध हिंद विद्वान और भगवान कृष्ण के भक्त, **श्री वल्लभाचार्य (1479-1531 ई.) को समर्पित** है।

मुख्य बिंदु:

- वल्लभाचार्य को वेदों और उपनिषदों का अच्छा ज्ञान था। उन्हें **वल्लभ तथा महाप्रभु वल्लभाचार्य की उपाधि** दी गई थी।
- वल्लभाचार्य ने शुद्ध अद्वैत या **शुद्ध अद्वैतवाद का दर्शन** प्रतिपादित किया। उन्होंने भारत के ब्रज क्षेत्र में कृष्ण-केंद्रित पंथ, वैष्णववाद **के पुष्टि संप्रदाय** की भी स्थापना की।
- वल्लभाचार्य **का जन्म 1479 ई. में में वाराणसी में एक तेलुगु ब्राह्मण परिवार** में हुआ था।

नोट :

पुष्टि संप्रदाय

- **वल्लभाचार्य 'पुष्टिमार्ग' नामक भक्ति संप्रदाय के संस्थापक थे।**
- पुष्टिमार्ग **रुद्र संप्रदाय** की एक उपपरंपरा है, जिसे पुष्टिमार्ग संप्रदाय या वल्लभ संप्रदाय (वैष्णववाद) के नाम से भी जाना जाता है।
- उन्होंने 16वीं शताब्दी की शुरुआत में इसकी स्थापना की थी और यह कृष्ण को समर्पित है।
- पुष्टिमार्ग एक भक्ति विद्यालय था जिसका विस्तार वल्लभाचार्य के अनुयायियों विशेषकर **गुसाईंजी** द्वारा किया गया था।
- इसके सिद्धांत युवा कृष्ण के पौराणिक कामुक नाटकों पर केंद्रित हैं, जैसे कि भागवत पुराण में वर्णित और गोवर्धन पहाड़ी से जुड़े हुए हैं तथा इसकी भक्ति प्रथाएँ इन नाटकों के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में चित्रकला प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय** के **दृश्य कला संकाय** (Faculty of Visual Arts) द्वारा चार दिवसीय सामूहिक चित्रकला प्रदर्शनी **'योगसूत्र'** का आयोजन किया गया था।

मुख्य बिंदु:

- प्रदर्शनी में पेंटिंग विभाग के चार छात्रों- जयदेव दास, नॉडी ज्यूडिथ गोम्ज़, फराज़ इमरान और निहारिका अहोना बरसात की कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें लगभग 25 पेंटिंग प्रदर्शित की गई हैं।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

- इसकी स्थापना **मदन मोहन मालवीय** ने वर्ष **1916 में** डॉ. एनी बेसेंट जैसी महान हस्तियों के सहयोग से की थी, जिन्होंने भारत के विश्वविद्यालय के रूप में इसकी कभी कल्पना की थी।
- यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर **प्रतिष्ठित शिक्षा का मंदिर** है, जो **पवित्र शहर वाराणसी में स्थित** है।
- **में विशिष्ट अनुसंधान केंद्र** हैं।
- विश्वविद्यालय का प्रतिष्ठित संग्रहालय– भारत कला भवन, दुर्लभ संग्रहों का खज़ाना है।
- विश्वविद्यालय का **927 बिस्तरों वाला अस्पताल** सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

यमुना ई-वे से दूर के क्षेत्रों में भवन निर्माण योजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) ने **बिल्डिंग प्लान मैनेजमेंट सिस्टम (BPMS)** नामक एक प्रणाली शुरू की है, जो 34,000 से अधिक आवासीय भू-खंड मालिकों को अनुमोदन के लिये अपनी भवन योजना ऑनलाइन जमा करने में सक्षम बनाती है।

मुख्य बिंदु:

- प्राधिकरण के अनुसार, **बिल्डिंग परमिशन मैनेजमेंट सिस्टम** (BPMS) का उद्देश्य **प्रसंस्करण अनुप्रयोगों के लिये तेज़, पारदर्शी और कुशल समाधान प्रदान करके भवन मानचित्रों के लिये अनुमोदन** प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

- इसे **उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम, 1976** के तहत दिल्ली के निकटवर्ती उनके संबंधित अधिसूचित क्षेत्रों के व्यवस्थित विकास के लिये बनाया गया है, जो अगर योजनाबद्ध नहीं होते, तो अनधिकृत शहरी विकास का खतरा होता।

नोट :

वायु प्रदूषण से मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट: IIT कानपुर

चर्चा में क्यों ?

बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता और **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर** के प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण सुंदरबन के लिये एक बहुत बड़ा संकट है।

मुख्य बिंदु:

- अध्ययन का शीर्षक है **"Acidity and oxidative potential of atmospheric aerosols over a remote mangrove ecosystem during the advection of anthropogenic plumes"** अर्थात् "मानवजनित **पिच्छक (Plumes)** के संवहनीय तरंगो के कारण दूरस्थ मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र पर वायुमंडलीय एरोसोल की अम्लता और ऑक्सीकारक संभावना"।
- अध्ययन में पाया गया कि मुख्य रूप से **ब्लैक कार्बन** या सोत/कालिख कणों से समृद्ध भारी मात्रा में **प्रदूषक**, न केवल कोलकाता महानगर बल्कि पूरे **भारत में गंगा के मैदानी क्षेत्र** से भी आ रहे हैं, जो सुंदरबन की वायु गुणवत्ता को काफी खराब कर रहे हैं, जिससे इसके पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ रहा है।
- अध्ययन के लेखकों ने सुंदरबन की वायु गुणवत्ता और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र में गिरावट को रोकने के लिये **10-सूत्रीय सिफारिशें** सुझाई हैं।
- सिफारिशों में **सौर ऊर्जा** को बढ़ावा देना, **पवन ऊर्जा** का उपयोग, **विद्युत परिवहन, सब्सिडी वाली LPG, विनियमित पर्यटन, डीज़ल जनरेटर पर प्रतिबंध, विषाक्त शिपमेंट पर प्रतिबंध,** प्रदूषक कारखानों को बंद करना, ईंट भट्टों और भूमि उपयोग का विनियमन तथा तटीय नियमों को मज़बूत करना शामिल है।

सुंदरबन (Sundarban)

- सुंदरबन **विश्व के सबसे बड़े मैंग्रोव वनों का अग्रणी** है, जो **बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा पर स्थित** है
- मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमि तथा समुद्र के बीच एक विशिष्ट पर्यावरण होता है।

Spanning across India and Bangladesh, Sundarbans is amongst the world's largest contiguous blocks of mangrove forest. Less than 40 percent of Sundarbans is located in India and the rest is in Bangladesh. On the Indian side, forest boundaries have changed very little since 1943.

नोट :

मैंग्रोव (Mangroves)

- मैंग्रोव उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय देशों के तटों के साथ **अंतर-ज्वारीय क्षेत्रों** में पाए जाने वाले पादप समूह हैं।
- मैंग्रोव वन **कई पारिस्थितिक कार्य में महत्त्वपूर्ण** हैं जैसे: काष्ठ वृक्षों के उत्पादन में, फिन-फिश और शेलफिश के लिये पोषण तथा अंडे देने के क्षेत्र के रूप में, पक्षियों एवं अन्य बहुमूल्य जीवों को आवास प्रदान करने में; समुद्र तट की सुरक्षा व तलछट के संचयन में।
- राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में, **पश्चिम बंगाल में कुल मैंग्रोव कवर क्षेत्र का प्रतिशत सबसे अधिक** है, इसके बाद गुजरात तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हैं।
- **भारत राज्य वन रिपोर्ट** देश में मैंग्रोव और उनकी स्थितियों के बारे में डेटा देती है।

प्रयागराज में बनेगी दूसरी SSH लैब

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज में जल्द ही दूसरा **सेंटिनल सर्विलांस हॉस्पिटल लैब (SSH लैब)** स्थापित किया जाने वाला है, जो डेंगू वायरस के निदान के लिये एक महत्त्वपूर्ण सुविधाकेंद्र होगा।

मुख्य बिंदु:

- वर्तमान में, प्रयागराज ज़िले में केवल **मोती लाल नेहरू (MLN) मेडिकल कॉलेज** के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में स्थित एक SSH लैब है।
- **राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई 2024)** मनाने के लिये MLN कॉलेज में आयोजित एक कार्यशाला में इस बात पर चर्चा की गई कि वर्ष 2024 के अंत से पहले तेज बहादुर सप्रू अस्पताल, जिसे बेली अस्पताल भी कहा जाता है, में एक विशेष डेंगू परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है।
- डेंगू दिवस- 2024 की थीम '**Connect with the community and control dengue.**' अर्थात् समुदाय से जुड़ना और डेंगू को नियंत्रित करना था।

डेंगू

- **परिचय:**
  - डेंगू एक मच्छर जनित उष्णकटिबंधीय बीमारी है जो **डेंगू वायरस (जीनस फ्लेवीवायरस)** के कारण होती है, इसका प्रसार मच्छरों की कई जीनस एडीज़ (Genus Aedes) प्रजातियों, मुख्य रूप से एडीज़ इजिप्टी (Aedes Aegypti) द्वारा होता है
    - यह मच्छर चिकनगुनिया, **पीला बुखार (Yellow fever) और** जीका संक्रमण भी फैलाता है।
  - डेंगू को उत्पन्न करने वाले चार अलग-अलग परंतु आपस में संबंधित सीरोटाइप (सूक्ष्मजीवों की एक प्रजाति के भीतर अलग-अलग समूह जिनमें एक समान विशेषता पाई जाती है) DEN-1, DEN-2, DEN-3 और DEN-4 हैं।
- **लक्षण:**
  - अचानक तेज़ बुखार, तेज़ सिर दर्द, आँखों में दर्द, हड्डी, जोड़ और मांसपेशियों में तेज़ दर्द आदि
- **निदान और उपचार:**
  - डेंगू संक्रमण का निदान रक्त परीक्षण से किया जाता है।
  - डेंगू संक्रमण के उपचार के लिये कोई विशिष्ट दवा नहीं है।

नोट :

यमुना तट पर अवैध खनन

चर्चा में क्यों ?

रेत खनन माफियाओं के खिलाफ संयुक्त छापेमारी में खनन विभाग और लोनी प्रशासन ने लोनी के पचेरा में **यमुना तट** से अर्थमूवर्स, ट्रक और ट्रॉली ज़ब्त की हैं।

मुख्य बिंदु:

- लोनी में यमुना नदी के किनारे 15 किलोमीटर तक विस्तृत भूमि के एक हिस्से, जिसके अंतर्गत पचैरा, बदरपुर और नौरसपुर गाँव आते हैं, को रेत खनन के लिये किराये पर दिया गया है।
- पचेरा में लीज़ की 48 एकड़ ज़मीन जिसे 5 वर्ष के लिये किराये पर दिया गया है, से 1.5 किमी. दूर **अवैध रेत खनन** किया जा रहा था।
- नदियों का संधारणीय रेत खनन सुनिश्चित करने के लिये उचित समय-सीमा के भीतर **पुन:पूर्ति की प्राकृतिक प्रक्रिया के माध्यम से रेत निष्कर्षण के दौरान** बने **खदान गड्ढों का पुनर्भरण** अति आवश्यक है।
- नदी के किनारे संवेदनशील स्थानों पर प्राय: अवैध गहन खनन किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप गहरे गड्ढे बन जाते हैं।
- आंशिक रूप से **यमुना नदी** के किनारे अवैध रेत खनन गतिविधियों के कारण छोड़े गए गहरे गड्ढों के कारण वर्ष 2023 में लोनी क्षेत्र में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ।

यमुना नदी

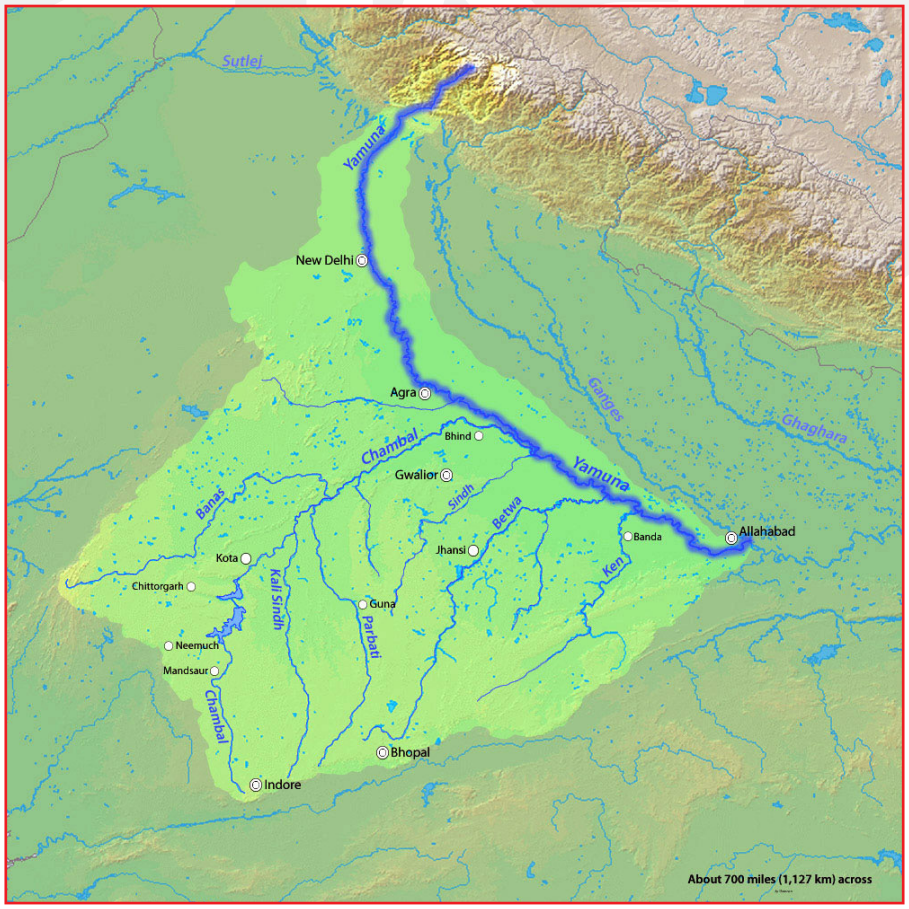

नोट :

- **परिचय:** यमुना नदी उत्तर भारत में गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है।
  - यह विश्व के व्यापक जलोढ़ मैदानों में से एक **यमुना-गंगा** मैदान का एक अभिन्न भाग है।
- **स्रोत:** इसका स्रोत **निचली हिमालय पर्वतमाला में बंदरपूँछ शिखर के दक्षिण-पश्चिमी तट पर 6,387 मीटर की ऊँचाई पर यमुनोत्री ग्लेशियर** में स्थित है।
- **बेसिन:** यह **उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली** से प्रवाहित होते हुए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में **संगम (जहाँ कुंभ मेला आयोजित होता है)** स्थल पर गंगा में मिल जाती है।
- **महत्त्वपूर्ण बाँध:** लखवार-व्यासी बाँध (उत्तराखंड), ताजेवाला बैराज बाँध (हरियाणा) आदि।
- **महत्त्वपूर्ण सहायक नदियाँ:** चंबल, सिंध, बेतवा और केन।
- **यमुना नदी से संबंधित सरकारी पहल:**
- यमुना एक्शन प्लान
- फरवरी 2025 तक यमुना को साफ करने के लिये दिल्ली सरकार की छह सूत्री कार्य योजना

रेत खनन

- रेत खनन को उत्तरोत्तर प्रसंस्करण के लिये मूल्यवान **खनिजों, धातुओं, पत्थर, रेत और बजरी के निष्कर्षण हेतु प्राकृतिक पर्यावरण** (स्थलीय, नदी, तटीय या समुद्री) से प्राथमिक प्राकृतिक रेत व रेत संसाधनों (खनिज रेत और समुच्चय) को हटाने के रूप में परिभाषित किया गया है।
- विभिन्न कारकों से प्रेरित यह गतिविधि **पारिस्थितिक तंत्र और समुदायों के लिये गंभीर संकट** उत्पन्न करती है।

वैश्विक मानक एवं IPR पर कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **विश्व दूरसंचार और सूचना के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** क्षेत्र कार्यालय तथा इनोवेशन सेंटर के सहयोग से **दूरसंचार विभाग (DoT)** के तहत **राष्ट्रीय दूरसंचार नीति अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण संस्थान (NTIPRIT)**, गाज़ियाबाद द्वारा **विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस (17 मई)** मनाने के लिये कार्यशाला की मेज़बानी की गई थी।

मुख्य बिंदु:

- कार्यशाला में किसी भी देश के विकास के लिये **"वैश्विक मानक और बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)"** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।
  - इसने राष्ट्रीय हितधारकों को वैश्विक साझेदारी बनाने और **दूरसंचार मानकों** में सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय कार्य प्रणाली के साथ जुड़ने के लिये एक मंच भी प्रदान किया।
- कार्यशाला में आगामी **विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली (WTSA) 2024** में भारतीय विशेषज्ञों की बढ़ी हुई भागीदारी के लिये मंच तैयार किया गया और प्रतिभागियों को वैश्विक मानकों एवं **बौद्धिक संपदा गतिशीलता** के साथ जुड़ने का व्यापक अवसर प्रदान किया गया।

विश्व दूरसंचार और सूचना सोसायटी दिवस

- विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस (WTISD) का उद्देश्य उन संभावनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करना है जो इंटरनेट व अन्य **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (ICT)** का प्रयोग समाजों, अर्थव्यवस्थाओं में प्रगति ला सकती हैं, साथ ही इसका उद्देश्य डिजिटल अंतर को समाप्त करने के तरीकों के बारे में भी जागरूकता बढ़ाना है।
- 17 मई पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने और **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** के स्थापना की वर्षगाँठ है।

नोट :

नीति अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय दूरसंचार संस्थान

- NTIPRIT की **स्थापना वर्ष 2010 में** दूरसंचार विभाग के दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान, **राष्ट्रीय दूरसंचार अकादमी** के रूप में की गई थी।
- इसके बाद वर्ष 2011 में, **नीति अनुसंधान और नवाचारों से संबंधित गतिविधियों** को अपने दायरे में लाकर **संस्थान के कार्यक्षेत्र का विस्तार** किया गया तथा संस्थान को राष्ट्रीय दूरसंचार संस्थान नीति अनुसंधान, नवाचार एवं प्रशिक्षण (NTIPRIT) के रूप में पुन: नामित किया गया।
- तब से **NTIPRIT** विकसित हुआ है और अब यह संस्थान **देश का शीर्ष दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान** है।

मैरून बेरेट सेरेमोनियल परेड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **वायु सेना के विशेष बल 'गरुड़' कमांडो** के प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिये **गरुड़ रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर (GRTC),** वायु सेना स्टेशन चाँदीनगर, उत्तर प्रदेश में **मरून बेरेट सेरेमोनियल परेड** आयोजित की गई थी।

मुख्य बिंदु:

- गरुड़ कमांडो फोर्स **भारतीय वायु सेना की विशेष बल इकाई** है। इसका **गठन फरवरी 2004** में किया गया था और इसकी वर्तमान संख्या 1500 से अधिक कर्मियों की है।
  - गरुड़ बलों को आपदाओं के दौरान **महत्त्वपूर्ण वायु सेना अड्डों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, खोज, बचाव एवं आपदा राहत कार्य** सौंपा जाता है।
  - **वर्ष 2004 में,** संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के हिस्से के रूप में **गरुड़ को कांगो में तैनात** किया गया था।

उत्तर प्रदेश उद्योग 4.0

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश नोडल तकनीकी विश्वविद्यालय ने भविष्य के कार्यबल को **आधुनिक** उद्योग 4.0 संकल्पना के साथ संरेखित करने की दिशा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और **क्लाउड कंप्यूटिंग प्रशिक्षण** के लिये प्रौद्योगिकी प्रमुख **इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स (IBM) कॉर्पोरेशन** के साथ समझौता किया है।

- राज्य द्वारा **'एक ज़िला, एक इनक्यूबेटर'** योजना पर भी ज़ोर दिया जा रहा है।

मुख्य बिंदु:

- भारत में AI निवेश **वर्ष 2027 तक 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुँचने की उम्मीद के साथ, उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देने, स्वरोज़गार को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप के विकास को बढ़ावा देने के लिये इस विस्तारित उद्योग का लाभ उठाना है।
- राज्य के **अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU)** ने 500 से अधिक संबद्ध कॉलेजों में ऐसे कार्यक्रमों में नि:शुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिये IBM के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।
- **इंटेल और इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन** द्वारा हाल ही में जारी एक संयुक्त अध्ययन के अनुसार, भारत में AI व्यय वर्ष 2023 से 31.5% बढ़ने की उम्मीद है।
  - सर्वेक्षण में शामिल आठ देशों- ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान में वृद्धि सबसे अधिक है।

नोट :

- उद्योग 4.0 **विनिर्माण और औद्योगिक प्रक्रियाओं में बुद्धिमान डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण** को संदर्भित करता है।
  - इसमें औद्योगिक **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) नेटवर्क, AI, बिग डेटा,** रोबोटिक्स, ऑटोमेशन तक विस्तृत प्रौद्योगिकियों का एक सेट शामिल है।
- चूँकि राज्य में **देश का चौथा सबसे बड़ा** स्टार्टअप इकोसिस्टम है, इसलिये सरकार शिक्षा को इनक्यूबेटरों के साथ एकीकृत करने और व्यावसायिक विचारों के लिये एंजेल फंडिंग की सुविधा प्रदान करने की दिशा में कदम उठा रही है।
  - यह 75 ज़िलों में प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में एक इनक्यूबेटर स्थापित करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में, **राज्य में 60 से अधिक इन्क्यूबेटर संचालित** हैं।
  - राज्य में लगभग 10,000 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिनमें से 50% टियर-II और टियर-III शहरों से उभरे हैं। लगभग 4,300 स्टार्टअप महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जा रहे हैं।
- **उत्तर प्रदेश** भारत में **कुल 108 यूनिकॉर्न में से आठ का गढ़** है, जैसे कि पेटीएम, पेटीएम मॉल, इंडिया मार्ट, मोग्लिक्स, पाइन लैब्स, इनोवाकर, इन्फोएज और फिजिक्स वाला।

यूनिकॉर्न

- एक यूनिकॉर्न किसी भी **निजी स्वामित्व वाली फर्म** है **जिसका बाज़ार पूंजीकरण 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक** है
- यह अन्य उत्पादों/सेवाओं के अलावा रचनात्मक समाधान और नए व्यापार मॉडल पेश करने के लिये समर्पित **नई संस्थाओं** की उपस्थिति को दर्शाता है
- **फिनटेक, एडटेक, बिज़नेस-टू-बिज़नेस (B2B)** कंपनियाँ आदि इसकी कई श्रेणियाँ हैं।

ट्रांसमिशन लाइन विस्तार में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में राज्य ट्रांसमिशन उपयोगिताओं द्वारा **ट्रांसमिशन लाइन के विस्तार** के मामले में उत्तर प्रदेश **अग्रणी राज्य** के रूप में उभरा है।

मुख्य बिंदु:

- उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (UPPTCL) ने वित्त वर्ष 2024 में 220kV या इससे अधिक क्षमता वाली **1,460 ckm (सर्किट किलोमीटर)** ट्रांसमिशन लाइन का विस्तार किया, जो अन्य राज्य उपयोगिताओं की तुलना में अधिक है।
  - **गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (GETCO)** वित्त वर्ष 24 के अंत तक 898 ckm अतिरिक्त के साथ दूसरे स्थान पर आया।
  - UPPTCL ने राज्य क्षेत्र की कुल वृद्धि में 20% से थोड़ा अधिक योगदान दिया। इस बढ़ोतरी में 13% हिस्सेदारी के साथ **गुजरात दूसरे स्थान पर रहा।** गुजरात के बाद **तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और बिहार** थे।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण

- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा 3(1) तथा बाद में **विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 70** के तहत प्रतिस्थापित किया गया था।
- इसका एक **उद्देश्य** विद्युत उत्पादन के लिये उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम उपयोग हेतु **प्रत्येक पाँच वर्ष में एक राष्ट्रीय विद्युत योजना तैयार करना है।**
- यह **विद्युत मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है और **नई दिल्ली** में स्थित है।

नोट :

उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

- **14 जनवरी 2000 को** यूपी में विद्युत क्षेत्र के सुधारों और पुनर्गठन के परिणामस्वरूप स्थापित किया गया, **जो विद्युत क्षेत्र का केंद्र बिंदु है** जो विद्युत के **संचारण, वितरण तथा आपूर्ति के माध्यम** से क्षेत्र की योजना एवं प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
- यह पेशेवर रूप से प्रबंधित उपयोगिता है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय और लागत कुशल विद्युत की आपूर्ति करती है।

प्रदूषण फैलाने पर PMC ने जारी किया नोटिस

चर्चा में क्यों ?

प्रयागराज नगर निगम (PMC) ने स्मार्ट सिटी प्रयागराज में **वायु गुणवत्ता को प्रभावित** करने के लिये **प्रयागराज विकास प्राधिकरण (PDA), लोक निर्माण विभाग (PWD), उत्तर-मध्य रेलवे (NCR) और जल निगम सहित नौ विभागों** को नोटिस जारी किया है

मुख्य बिंदु:

- नोटिस में **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग का रिट** नंबर शामिल है। निर्माण स्थलों को कवर करने के लिये हरे पर्दों का उपयोग करने, स्प्रिंकलर मशीनों के साथ नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने, सड़क की मशीनीकृत सफाई करने और धूल को कम करने जैसे उपायों को लागू करने की सलाह दी गई है
- PMC के एक अधिकारी के अनुसार, **शहर में वायु प्रदूषण में वृद्धि** का कारण चल रही निर्माण गतिविधियाँ हैं। जनता की चिंताओं को दूर करने के लिये संबंधित विभागों को नोटिस भेज दिये गए हैं।
- निर्देशों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार आगे की प्रवर्तन कार्रवाई की जा सकती है।

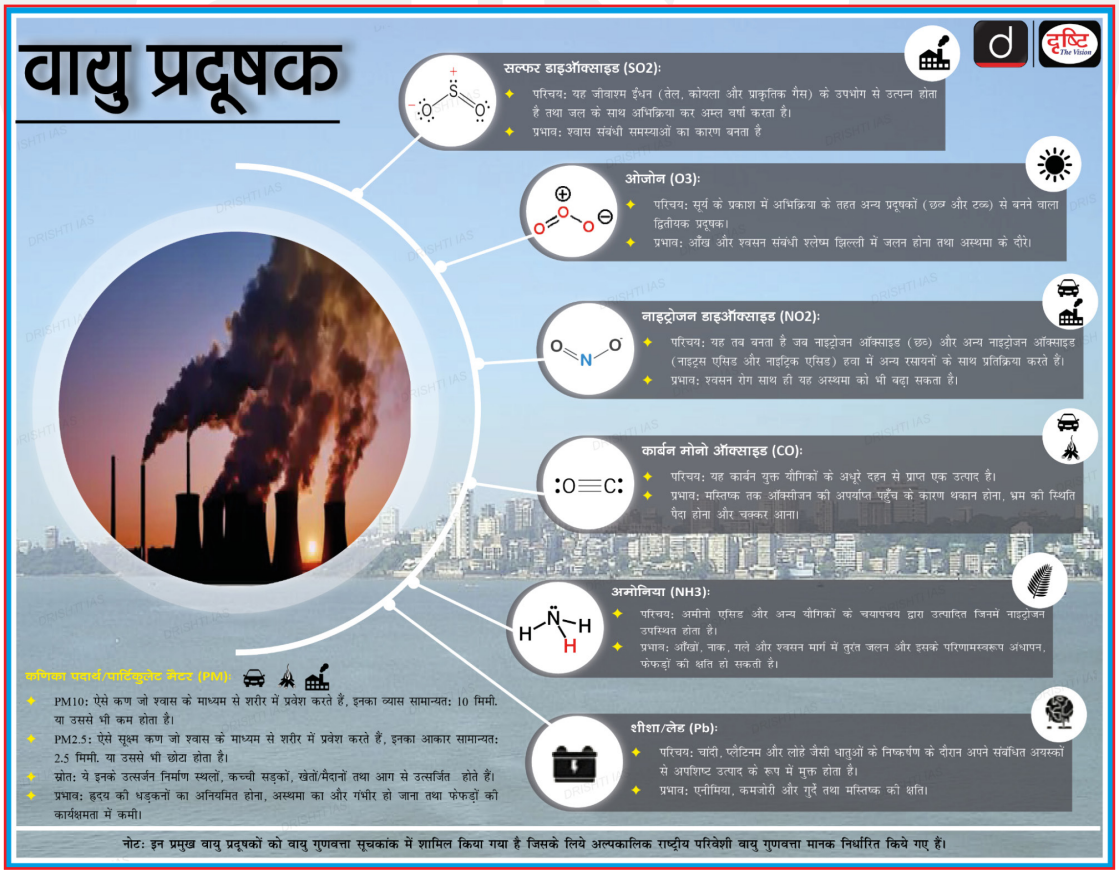

नोट :

उत्तर प्रदेश में छठे चरण का मतदान

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश में **वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के छठे चरण में पूर्वांचल क्षेत्र के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में 54.03% मतदान** दर्ज किया गया।

मुख्य बिंदु:

- भारतीय निर्वाचन आयोग के आँकड़ों के अनुसार, समान सीटों के लिये मतदान प्रतिशत वर्ष 2019 के मतदान प्रतिशत 54.49 से थोड़ा कम हो गया।
  - जैसे-जैसे चुनाव **पश्चिम यूपी निर्वाचन क्षेत्रों (पहले तीन चरण) से मध्य यूपी (चरण 4 और 5) से पूर्वी यूपी (चरण 6, जिसमें 14 लोकसभा सीटें शामिल थे)** तक चला गया, मतदाता प्रतिशत में कमी देखी गई।
  - **पहले चरण में 61.11%** मतदान हुआ। **दूसरे चरण में यह 55.19%, तीसरे चरण में 57.34%, चौथे चरण में 58.22% और पाँचवें चरण में 58.02% था। छठे चरण में** पूर्वी यूपी की 14 लोकसभा सीटों पर **54.03%** मतदान हुआ।

यूपी का पूर्वांचल क्षेत्र

- इसमें **जौनपुर, संत रविदास नगर, आज़मगढ़, वाराणसी, गोरखपुर, बलिया और गाज़ीपुर** के क्षेत्र शामिल हैं।
- इस **मैदान के उत्तरी भाग का निर्माण राप्ती एवं घाघरा नदियों** द्वारा हुआ है। इसे **दक्षिण से उत्तर तक राप्ती खादर, सरयूपार मैदान और पुरबिया मैदान** के नाम दिये गये हैं।

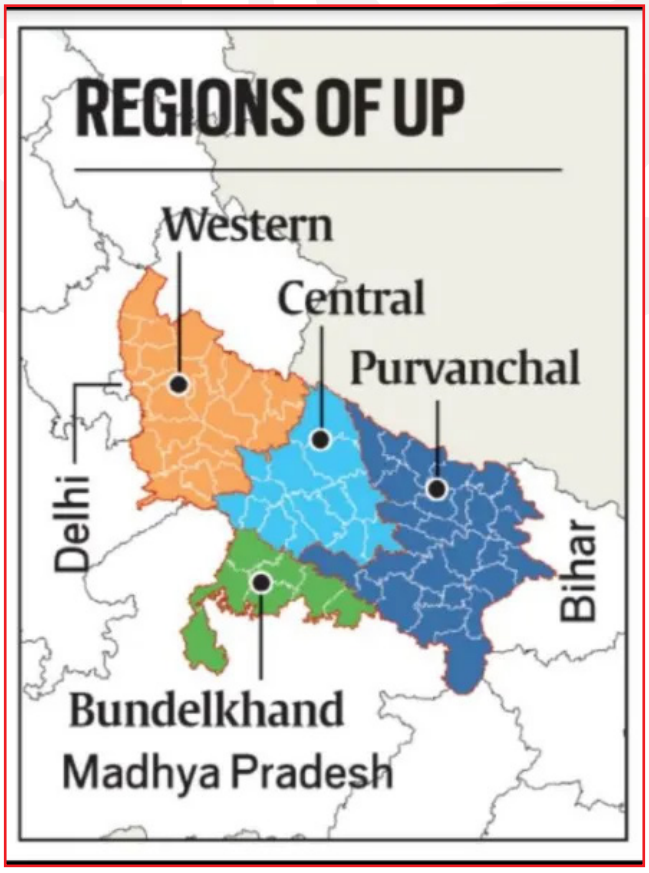

नोट :

उत्तर प्रदेश: कई प्रधानमंत्रियों का जन्मस्थान

चर्चा में क्यों ?

आज़ादी के बाद से अब तक भारत में 15 प्रधानमंत्री हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश, जहाँ भारत की 17% आबादी (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) निवास करती है, 6 प्रधानमंत्रियों का जन्मस्थान रहा है।

मुख्य बिंदु:

- **9 प्रधानमंत्रियों** ने लोकसभा में **उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया** है, जिनमें से कुछ कई निर्वाचन क्षेत्रों से हैं।
- पद पर रहने वाले सभी **प्रधानमंत्रियों में से 75%** का कार्यकाल ऐसे प्रधानमंत्रियों का था, जो उत्तर प्रदेश से सांसद के रूप में भी कार्यरत थे।
- इसमें **नेहरु** का लगभग 17 वर्ष का कार्यकाल, उनकी **पुत्री इंदिरा गांधी** का 15 वर्ष से अधिक का संचयी कार्यकाल, **अटल बिहारी वाजपेयी** का छह वर्ष का कार्यकाल (वर्ष 1996 में 13 दिन, वर्ष 1998 में 13 महीने और वर्ष 1999 से 5 वर्ष तक) और **वर्तमान प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी** जो मई 2014 से पद पर हैं, का कार्यकाल शामिल हैं
  - जबकि वर्तमान प्रधानमंत्री का जन्म गुजरात में हुआ था और बाद में वे इस राज्य के मुख्यमंत्री बने, उन्होंने **वर्ष 2014 तथा वर्ष 2019** में **वाराणसी लोकसभा क्षेत्र** से चुनाव लड़ना चुना।
- **पी. वी. नरसिम्हा राव (आंध्र प्रदेश)** और **मनमोहन सिंह,** जो राज्यसभा में राजस्थान तथा असम के सांसद थे, **को छोड़कर प्रत्येक कॉन्ग्रेस नेता** ने **प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान लोकसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व** किया है
- 215 मिलियन लोगों (वर्ष 2011 की जनगणना) के साथ उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। लोकसभा में 80 सदस्य भी यहीं से चयनित होते हैं।
- उत्तर प्रदेश से **लोकसभा में 20% सांसद** हैं और राज्य में **निर्णायक जीत** प्राय: यह **निर्धारित करती है कि केंद्र में कौन सत्ता में आएगा।**

उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन में निवेश हेतु तैयार

चर्चा में क्यों ?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश सरकार** नागरिक उड्डयन क्षेत्र में **2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (16,000 करोड़ रुपए से अधिक) के निजी निवेश** का लक्ष्य बना रही है।

- विमानन प्रशिक्षण, विमान रखरखाव और एयरो-स्पोर्ट्स जैसी सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देने के अलावा, प्रस्तावित निवेश का उपयोग **मौजूदा हवाई पट्टियों को विकसित तथा उन्नत करने** के लिये किया जा सकता है।

मुख्य बिंदु:

- प्रमुख क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) के तहत, तत्काल विकास के लिये चिह्नित 14 सरकारी हवाई पट्टियों के अलावा, राज्य **225 मार्गों को चालू करने के लिये** कदम उठा रहा है।
  - छह हवाई पट्टियों अर्थात् **अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती, मुरादाबाद और सोनभद्र** को RCS के तहत उड़ानों को संभालने के लिये उन्नत किया जा रहा है।
  - राज्य ने हवाई पट्टियों के आधुनिकीकरण, भूमि अधिग्रहण और अन्य के लिये **नागरिक उड्डयन बुनियादी ढाँचे** हेतु चालू वित्त वर्ष 2024-25 (FY25) में लगभग **28,000 करोड़ रुपए का बजट** आवंटित किया है।
- उत्तर प्रदेश में वित्त वर्ष 24 में **यात्रियों की संख्या में 20% की वृद्धि देखी गई,** जो अवकाश और व्यावसायिक पर्यटन में विमानन विकास में तीव्र वृद्धि का संकेत है।

नोट :

- रकार **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मोड** के तहत प्रमुख पर्यटक आकर्षण स्थलों में हेलीकॉप्टर टैक्सियों को भी बढ़ावा दे रही है।
- वर्ष 2023 में, UP टूरिज़्म ने आगरा और मथुरा के बीच 30 वर्षों के लिये हेलीपोर्ट संचालित करने हेतु राजस एयरोस्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।

- **UP सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है, वर्ष** 2023 में पर्यटकों की आमद में 50% की वृद्धि दर्ज करते हुए 480 मिलियन तक पहुँच गया है।

क्षेत्रीय संपर्क योजना

- **परिचय:**
  - क्षेत्रीय हवाई अड्डे के विकास तथा **क्षेत्रीय संपर्क** बढ़ाने के लिये नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा **उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक)** को लॉन्च किया गया था।
  - यह **राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (National Civil Aviation Policy), 2016** का हिस्सा है।
  - यह योजना **10 वर्ष की अवधि** के लिये लागू है।
- **उद्देश्य:**
  - भारत के सुदूर क्षेत्रों और क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करना।
  - दूरस्थ क्षेत्रों का विकास और व्यापार एवं वाणिज्य तथा पर्यटन विस्तार को बढ़ाना।
  - आम लोगों को सस्ती दरों पर हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना।
  - विमानन क्षेत्र में रोज़गार सृजन।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - इस योजना के तहत एयरलाइंस को कुल सीटों की 50% सीटों के लिये हवाई किराया 2,500 रुपए प्रति घंटे की उड़ान पर सीमित करना होगा।
  - इस उद्देश्य को निम्नलिखित के आधार पर प्राप्त किया जाएगा
    - केंद्र एवं राज्य सरकारों और हवाई अड्डों के संचालकों की ओर से रियायतों के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से।
    - **व्यवहार्यता अंतराल अनुदान (Viability Gap Funding- VGF)**- संचालन की लागत और अपेक्षित राजस्व के बीच अंतर को कम करने के लिये एयरलाइंस को प्रदान किये जाने वाले सरकारी अनुदान के माध्यम से।
  - योजना के तहत व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये क्षेत्रीय कनेक्टिविटी अनुदान (Regional Connectivity Fund- RCF) प्रदान किया गया है।
  - इस निवेश में सहभागी राज्य सरकारें (केंद्रशासित प्रदेश और NER राज्यों के अतिरिक्त जिनका योगदान 10% है) 20% की भागीदारी करेंगी।

निकासी/इवैक्यूएशन स्लाइड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे** पर **वाराणसी जाने वाली इंडिगो की उड़ान** में बम की धमकी की सूचना मिलने के बाद, विमान में सवार सभी 176 यात्रियों को 'निकासी स्लाइड (Evacuation Slides)' का प्रयोग करके कुशलतापूर्वक बाहर निकाला गया।

- हवाई जहाज़ की तलाशी में पाया गया कि धमकी एक धोखा थी।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- निकासी स्लाइड एक इन्फ्लेटेबल स्लाइड (फुलाए जाने वाली स्लाइड) होती है जो यात्रियों को आपातकालीन स्थिति के दौरान सुरक्षित रूप से उड़ान से एग्ज़िट अर्थात् बाहर निकलने की अनुमति देती है, खासकर जब उड़ान के दौरान हवाई जहाज़ का दरवाज़ा ज़मीन से ऊपर हो।
- **इवैक्यूएशन स्लाइड के चार प्रकार होते हैं:**
  - **इन्फ्लेटेबल स्लाइड:** इन्फ्लेटेबल स्लाइड यात्रियों को विमान के निकास द्वार से ज़मीन पर उतरने में मदद करती है। यदि वे दरवाज़ों का प्रयोग नहीं कर सकते हैं, तो वे विमान के किसी भी विंग्स तक पहुँचने का प्रयास कर सकते हैं। वहाँ से, वे ज़मीन पर उतरने के लिये स्लाइड का प्रयोग कर सकते हैं।
  - **इन्फ्लेटेबल राफ्ट:** यह स्लाइड की भांति ही कार्य करता है, लेकिन विमान को जलीय सतह पर उतरने की स्थिति में इसे लाइफ राफ्ट (जीवन रक्षक बेड़ा) के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
  - **इन्फ्लेटेबल एग्ज़िट रैंप:** इन्फ्लेटेबल एग्ज़िट रैंप यात्रियों को कुछ ओवरविंग एग्ज़िट (या विमान आपातकालीन निकास) से विंग्स/डैने तक जाने में मदद करने के लिये इंस्टॉल किया जाता है, अगर वह रास्ता ज़मीन तक पहुँचने के लिये बेहतर लगता है।
  - **इन्फ्लेटेबल एग्ज़िट रैंप/स्लाइड:** इन्फ्लेटेबल एग्ज़िट रैंप/स्लाइड ओवरविंग एग्ज़िट या हवाई जहाज़ के विंग्स से ज़मीन पर उतरने में सहायता के लिये प्रयोग किया जाता है। यह रैंप और विंग-टू-ग्राउंड डिवाइस का संयोजन है।
- ये आम तौर पर **कार्बन फाइबर** और **नायलॉन सामग्री से बने** होते हैं जिन पर **अग्नि-प्रतिरोध के लिये यूरेथेन का आवरण** चढ़ाया जाता है। इन स्लाइड्स को बनाने के लिये मज़बूत फाइबर का उपयोग किया जाता है ताकि यात्रियों के उतरने के दौरान ये क्षतिग्रस्त होने से बच सकें।
- स्लाइड्स को आम तौर पर केबिन के दरवाज़े के भीतर या विमान के बाह्य कम्पार्टमेंट (Fuselage Compartment) में पैक और इंस्टॉल किया जाता है।
- इन्हें उच्च दाब वाली गैस जैसे: **कार्बन डाइऑक्साइड** या **नाइट्रोजन गैस कंटेनरों** और सक्शन मशीनों के माध्यम से परिवेशी वायु की मदद से फुलाया जाता है।
- **निकासी स्लाइड्स को तैनात करने के लिये प्रोटोकॉल:**
  - **यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (EUASA)** के अनुसार, जब ज़मीन और विमान निकास द्वार के बीच की ऊँचाई छह फीट या उससे अधिक हो तो इवैक्यूएशन स्लाइड्स को स्वचालित रूप से तैनात किया जाना चाहिये।
  - स्लाइड के लिये इन्फ्लेशन का समय उसके लोकेशन/स्थान के आधार पर छह से 10 सेकंड के बीच होना चाहिये।
  - **यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन** के दिशा-निर्देशों के अनुसार, इसे -40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 71 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को झेलने में सक्षम होना चाहिये, साथ ही प्रति घंटे एक इंच तक की बारिश और हवाई जहाज़ के चारों ओर 45 डिग्री के कोण से आने वाली 46 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ पवनों को भी झेलने में सक्षम होना चाहिये।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :